भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2217

दिनांक 14 मार्च, 2023 के लिए प्रश्न

खजुराहो में पशु आनुवंशिकी सुधार केंद्र

2217. श्री विष्णु दत्त शर्मा:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में किसानों की बड़ी आबादी है और कृषि जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए पशुपालन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार की किसानों की सहायता के लिए खजुराहो लोक सभा क्षेत्र में पशु आनुवंशिकी सुधार और पशुपालन संबंधी संस्थान अथवा केंद्र खोलने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) पशुपालन भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण उप-क्षेत्र है और ग्रामीण आबादी को आजीविका सहायता प्रदान करने में बहुआयामी भूमिका निभाता है। पशुधन क्षेत्र आमतौर पर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में और विशेष रूप से कृषि अर्थव्यवस्था में योगदान देने के अलावा रोजगार सृजन के अवसर, संपत्ति सृजन, फसल नष्ट होने पर सहन करने संबंधी तंत्र और सामाजिक तथा वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करता है। 10 करोड़ से अधिक, मुख्यत: छोटे और सीमांत किसान देश में पशुपालन में लगे हुए हैं, जिसमें बुंदेलखण्ड क्षेत्र के किसान भी शामिल हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, पशुपालन और डेयरी विभाग निम्नलिखित योजनाएं लागू कर रहा है: (i) राष्ट्रीय गोकुल मिशन; (ii) राष्ट्रीय पशुधन मिशन; (iii) राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम; (iv) डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि; (v) राज्य डेयरी सहकारी

समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (एसडीसीएफपीओ) और (vi) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण। बुंदेलखण्ड क्षेत्र में पशुपालन क्षेत्र के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप किए जा रहे हैं: (i) बुंदेलखण्ड क्षेत्र के सभी जिलों में किसानों के द्वार पर निशुल्क कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं देने के लिए राष्ट्रव्यापी एआई कार्यक्रम का क्रियान्वयन; (ii) क्षेत्र में किसानों के द्वार पर प्रजनन इनपुट और पशु चिकित्सा प्राथमिक सहायता प्रदान करने के लिए क्षेत्र के शिक्षित ग्रामीण युवाओं को ग्रामीण भारत में बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (मैत्री) के रूप में शामिल करना; (iii) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों की स्थापना के लिए पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण के तहत निधियां जारी की गईं; (iv) राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 500 एकड़ भूमि में गोपशु प्रजनन फार्म, रतोना, सागर में गोकुल ग्राम की स्थापना की गई; (v) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत रतोना, सागर में बृहत तरल नाइट्रोजन संयंत्र की स्थापना की गई और (vi) बुंदेलखण्ड क्षेत्र में वीर्य खुराकों की नियमित आपूर्ति के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत दतिया में वीर्य केंद्र की स्थापना की गई है।

(ख) से (घ) मध्य प्रदेश राज्य से खजुराहो में पशु आनुवंशिकी सुधार संबंधी संस्थान या केंद्र की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, खजुराहो समेत बुंदेलखण्ड क्षेत्र की प्रजनन इनपुट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश के रतोना, सागर में गोकुल ग्राम और दतिया में वीर्य केंद्र की स्थापना की गई है।

*****